

परमेश्वरेऽ पुरी दुनिया चाणी



परमेश्वरेइ पुरी दुनिया चाणी

bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



For permission to reuse, contact the copyright holder.

Bangani Language Book
Red level book

प्रकाशण:-

NLCI
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें परमेश्वर ने पूरी सृष्टि की रचना कैसे की, उसके बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



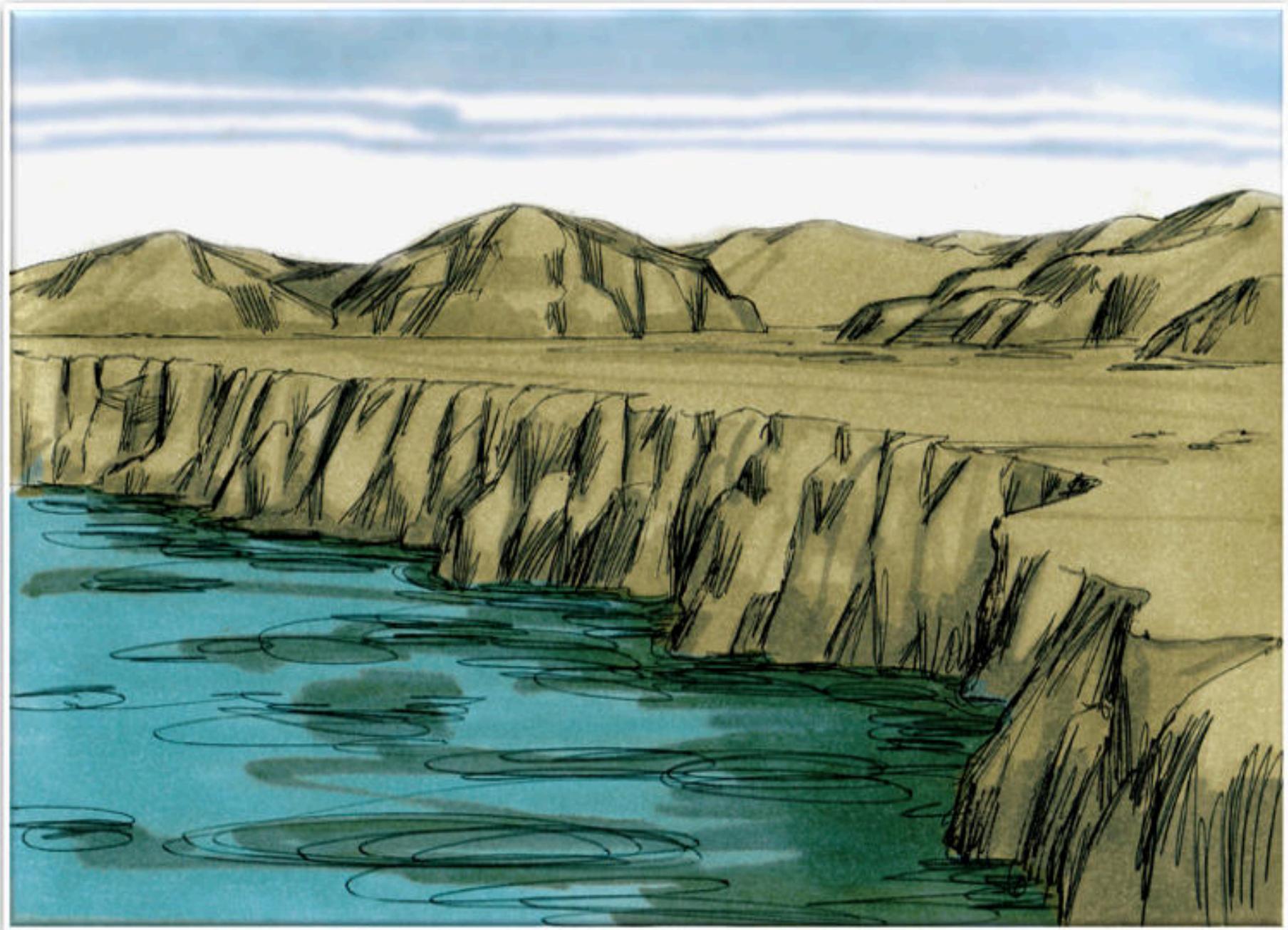
सारिउँ कौइ औगौणिकै परमेश्वरेइ गौइण
औजि दौरती चाणी। सेजै बौत्केदि दौरती
उबड़ खाबड़ औजि शुनशान थी। औजि
परमेश्वर री आत्मा पाणि माइं फिरै थी।



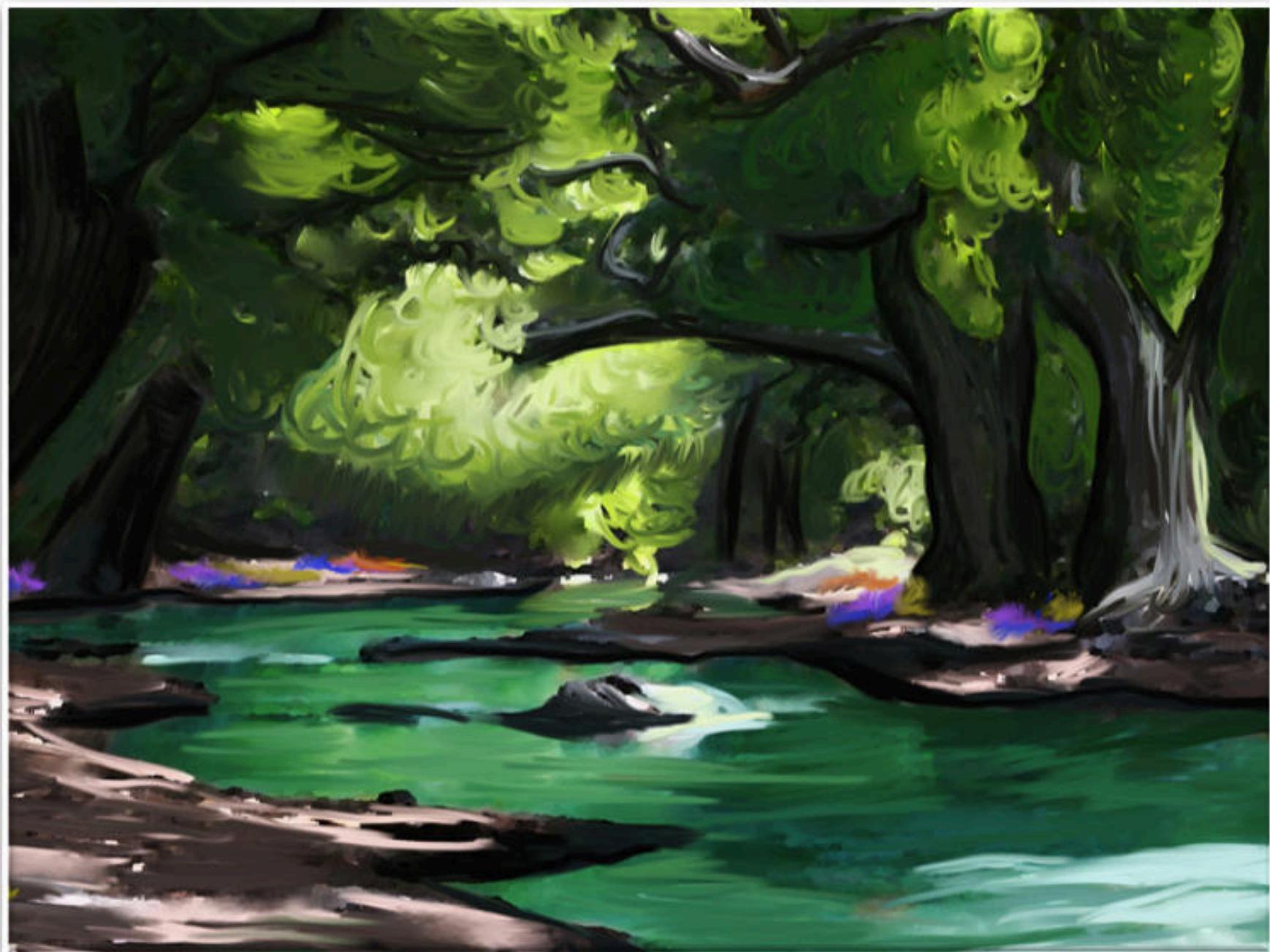
परमेश्वरेऽ बोलौ कि, औशियाळौ औउ
तै औशियाळौ उवौ । परमेश्वरेऽ
औशियाळौ इनारै कौइ अलग कियौ ।
परमेश्वरेऽ औशियाळे खि दूसै औज़ि
इनारेखि रात बोलौ । एशेशै कौइ
औग्नौणिकै रौ दूस पुरौ उवौ ।



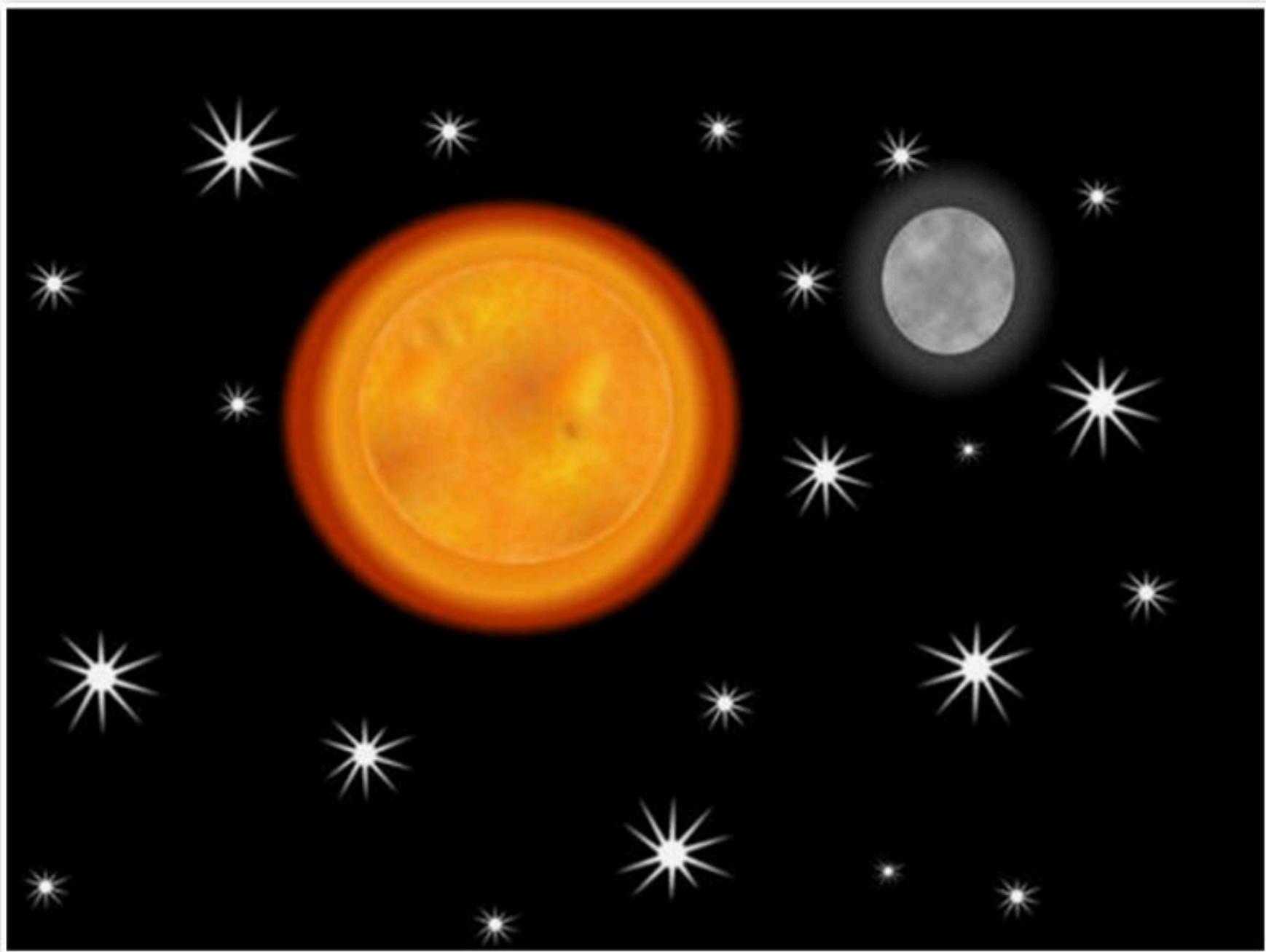
ओज़ि परमेश्वरेह पाणि दुइ पैशै बाँटौ।
पाणि कौइ उबै रै इंसेखि गौइण बोलौ।
एशेशै कौइ दुजौ दूस बी पुराै उवौ।



ਪਰਮੇਸ਼ਵਰੇਵ ਪਾਣਿ ਏਕ ਜਾਗਾ ਦੀ ਕੌਢ੍ਹੋ
ਕਿਧੌ। ਆੜਿ ਕੌਢ੍ਹੇ ਕਿਧੌਨਦੇ ਪਾਣਿ ਖਿ
ਸਮੁਨਦ ਬੋਲੋ। ਆੜਿ ਸ਼ੁਕੀ ਜੋਮੀਨ ਖਿ
ਦੈਰਤੀ ਬੋਲੋ।



ਤੈਥੈ ਪਰਮੇਸ਼ਕਰੇਇ ਸ਼ੁਕੀ ਦੌਰਤੀ ਦਿ ਗਾਸ,
ਆੜਿ ਬੀਜ ਵਾਲ਼ੈ ਪੌਦੇ, ਆੜਿ ਫਲ਼ ਵਾਲ਼ੈ
ਪੇਡੇ ਚਾਣੈਂ। ਆੜਿ ਸਾਰੇ ਫਲ ਦੇਣਾਨੈ ਵਾਲ਼ੈ
ਪੇਡੇ ਪੌਦੇ ਜ਼ੋਮਾਯੈਂ ਏਸ਼ੋਣੈ ਕੌਇ ਚਿਜਾਂ ਦੂਸ਼
ਕੀ ਪੁਰਾਂ ਤਵੈ।



ਤੈਬੈ ਪਰਮੇਸ਼ਵਰੇਵ ਗੈਇਣੀ ਦਿ ਦੁਇ ਕੌਝੈ ਆਸ਼ੈ
ਚਾਣੈਂ। ਏਕ ਦੁਸੇਖਿ ਰਾਜ਼ ਕੌਰਨੇ ਖਿ ਚਾਣੈਂ
ਔਜ਼ਿ ਦੁਜਾਂ ਰਾਤਿਖਿ। ਔਜ਼ਿ ਤਾਰੈ ਕੀ ਚਾਣੈਂ,
ਤੈ ਚੋਥੈ ਦੂਸ ਕੀ ਪੁਰੈ ਤਕੈ।



ਪਰਮੇਵਰੇਵ ਗੈਇਣੀ ਦਿ ਤਡਿਆਣੈ ਕਾਲ਼ੈ
ਚੌਡਕੁਡੈ ਚਾਣੈਂ। ਆਜ਼ਿ ਪਾਣੀ ਮਾਝੰ ਰੈ ਸਾਰੈ
ਜੀਥ ਜਨਤੂ ਬੀ ਚਾਣੈਂ। ਤੈ ਤਿੱਵਾਰਿ ਬੋਲੈ
ਗੈਇਣੀ ਦਿ, ਆਜ਼ਿ ਪਾਣੀ ਮਾਝੰ ਢੈਓ। ਏਥੇਥੈ
ਕੌਇ ਪਾਂਚੁਵੈ ਦੂਸ ਬੀ ਪੁਰਾਵੈ।



परमेश्वरेह गौरेलू ज़ानबर औज़ि ज़ाँगळी
ज़ानबर की चाणैं। औज़ि दौरती दि
जुइड़ाणै औज़ि तौमसुणै वाळे ज़ानबर की
चाणै। तैबै परमेश्वरेह माणूछ आफुइ
बाशि चाणौ। तिउँखि मौद औज़ि छेउड़
बोलौ, औज़ि छौटुवौ दूस की पुराँ उवौ।



एशेशै कौइ परमेश्वरेइ छौ दुसेदि सारि
दुनिया चाणीं। तैबै सातुवै दुसै परमेश्वरेइ
आराम कियौ। सेजै दुसेखि परमेश्वरेइ
आशिश देणी, औज़ि पवित्र बोलौ। एशेशै
कौइ परमेश्वरेइ पुरी दुनिया चाणी।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में व्यस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

,,,,,,,,,धन्यवाद,,,,,,,,,



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.